ध्वनी

1.ध्वनि’ कविता के रचयिता निम्नलिखित में से कौन हैं?  
(a) रामधारी सिंह ‘दिनकर’  
(b) सूर्यकांत त्रिपाठी ‘निराला’  
(c) रामचंद्र तिवारी  
(d) प्रभुनारायण

2. इस काव्यांश की कविता का नाम है-  
(a) वसंत  
(b) ध्वनि  
(c) सवेरा  
(d) मनोहर

3.अभी किसका अंत न होगा?  
(a) वसंत का  
(b) कवि के जीवन का  
(c) प्रभाव का  
(d) कलियों का

4.कवि पुष्य-पुष्प से क्या खींच लेना चाहता है?  
(a) मिठास  
(b) पराग  
(c) खुशबू  
(d) तंद्रालस लालसा

.  
5.‘कलियाँ’ किसका प्रतीक हैं?  
(a) नवयुवकों का  
(b) फूलों का  
(c) वसंत का  
(d) प्रातः काल का

6.‘कलियाँ कोमल’ में किस अलंकार का प्रयोग हुआ है?  
(a) अनुप्रास  
(b) पुनरुक्ति का  
(c) यमक  
(d) श्लेष

.  
7.कवि पुष्यों को सहर्ष किससे सींचना चाहता है?  
(a) नवजीवन के अमृत से  
(b) नवजीवन के जल से  
(c) नवजीवन की वर्षा से  
(d) इनमें से कोई नहीं

*अभी न होगा मेरा अंत*  
*अभी-अभी ही तो आया है*  
*मेरे वन में मृदुल वसंत-*  
*अभी न होगा मेरा अंत।*  
*हरे-हरे ये पात,*  
*डालियाँ, कलियाँ, कोमल गात।*  
*मैं ही अपना स्वप्न-मृदुल-कर*  
*फेरूँगा निद्रित कलियों पर*  
*जगा एक प्रत्यूष मनोहर।*

1.कवि और कविता का नाम लिखिए।

2.‘अभी न होगा मेरा अंत’ कवि ने ऐसा क्यों कहा?

3.‘वन में मृदुल वसंत’ पंक्ति से आशय क्या है?

4.कवि पर वसंत का क्या प्रभाव दिखाई देता है?

Question 1.  
कवि को ऐसा विश्वास क्यों है कि उसका अंत अभी नहीं होगा?  
Solution:  
कवि को ऐसा विश्वास इसलिए है क्योंकि अभी उसके मन में नया जोश व उमंग है। अभी उसे काफ़ी नवीन कार्य करने है। वह युवा पीढ़ी को आलस्य की दशा से उबारना चाहते हैं।

Question 2.  
फूलों को अनंत तक विकसित करने के लिए कवि कौन-कौन-सा प्रयास करता है?

Question 3.  
कवि पुष्पों की तंद्रा और आलस्य दूर हटाने के लिए क्या करना चाहता है?

Question 4.  
वसंत को ऋतुराज क्यों कहा जाता है? आपस में चर्चा कीजिए।

Question 5.  
वसंत ऋतु में आनेवाले त्योहारों के विषय में जानकारी एकत्र कीजिए और किसी एक त्योहार पर निबंध लिखिए।

Question 6.  
‘हरे-हरे’, ‘पुष्प-पुष्प’ में एक शब्द की एक ही अर्थ में पुनरावृत्ति हुई है।  
कविता के ‘हरे-हरे ये पात’ वाक्यांश में ‘हरे-हरे’ शब्द युग्म पत्तों के लिए विशेषण के रूप में प्रयुक्त हुए हैं। यहाँ ‘पात’ शब्द बहुवचन में प्रयुक्त है।  
ऐसा प्रयोग भी होता है जब कर्ता या विशेष्य एक वचन में हो और कर्म, या क्रिया या विशेषण बहुवचन में; जैसे – वह लंबी-चौड़ी बातें करने लगा।  
कविता में एक ही शब्द का एक से अधिक अर्थों में भी प्रयोग होता है – ”तीन बेर खाती ते वे तीन बेर खाती है।” जो तीन बार खाती थी वह तीन बेर खाने लगी है।  
एक शब्द ‘बेर’ का दो अर्थों में प्रयोग करने से वाक्य में चमत्कार आ गया। इसे यमक अलंकार कहा जाता है।  
कभी-कभी उच्चारण की समानता से शब्दों की पुनरावृत्ति का आभास होता है जबकि दोनों दो प्रकार के शब्द होते हैं; जैसे – मन का/मनका।  
ऐसे वाक्यों को एकत्र कीजिए जिनमें एक ही शब्द की पुनरावृत्ति हो।  
ऐसे प्रयोगों को ध्यान से देखिए और निम्नलिखित पुनरावृत शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए –  
बातों-बातों में, रह-रहकर, लाल-लाल, सुबह-सुबह, रातों-  
रात, घड़ी-घड़ी।